तर्ज़ - आवाज़ देके हमें तुम बुलाओ

हुए मुक्त जीतेजी जो भी जीवन है
गये पूजे जग में उनको नमन है

कि गुरूमत के रंग में ये जीवन बिताया
समरपण से अपने गुरु को रिझाया
बने प्रेरणा वो उन्ही से मिशन है
गये पूजे जग में

गृहस्थि को भक्ति से हर पल सजाया
कि भाणे में रह कर शुकर ही मनाया
हुकुम में रहे और किया सत्वचन है
गये पूजे जग में

ये बलिदान कितने हुए हैं मिशन में
कि क़ुरबान कितने हुए हैं मिशन में
बड़े त्याग तप से खिला ये चमन है
गये पूजे जग में

है अरदास सतगुरु दया हमपे कर दो
कि गौरव बने इस मिशन के ये वर दो
जियें ऐसे दिलवर कि हम ही मिशन हैं